केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 323 गुरूवार 18 जून 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

योग दिवस के लिये तैयारियां तेज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी 12वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल, सुव्यवस्थित एवं भव्य आयोजन के संबंध में जिलाधिकारी के निर्देशानुसार मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया तथा योग दिवस के आयोजन से संबंधित तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस केवल एक कार्यक्रम नही, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का जनआन्दोलन है। उन्होने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए आयोजन को सफल बनाने के निर्देश दिये। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर स्वच्छ पेयजल, चिकित्सा सहायता, सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात प्रबंधन सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाए समय से सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम जनपद मुख्यालय पर अमर शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक आयोजित किया जायेगा। उन्होने यह भी बताया कि समस्त तहसीलों व ग्राम पंचायतों में भी अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का भी आयोजन किया जायेगा। उन्होने यह भी बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व 20 जून को स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। योग समिति के सदस्य जगदीश शुक्ला ने कहा कि अटल आवासीय विद्यालय पररसरामपुर एवं सरदार बल्लभ भाई पटेल राजकीय इंजीनियरिंग कालेज हथियागढ़ में भी योग कार्यक्रम कराये जाय। उन्होने कहा कि योग को प्रत्येक ग्राम पंचायत व प्रत्येक घर में पहुँचाना है।

इस अवसर पर सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, उप जिलाधिकारी सदर हिमांशु कुमार, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा. नागेन्द्र कुमार, नोडल योगा वीरेन्द्र चौधरी, बाल कृष्ण चौधरी, जिला विद्यालय निरीक्षक संजय सिंह, बीएसए अनूप तिवारी, ईओ नगरपालिका अंगद गुप्ता सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

रोजगार मेला 22 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय बस्ती के संयुक्त तत्वावधान मे एकदिवसीय रोजगार मेला का आयोजन आगामी 22 जून सोमवार को पूर्वाह्न 11.00 बजे से राजकीय आई.टी.आई परिसर स्मार्ट क्लास बस्ती में किया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए जिला सेवायोजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा ने बताया है कि इस मेले में सि०आर०–3 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड मैनपॉवर कंपनी रिलायंस रिफाइनरी जामनगर गुजरात में आई.टी.आई पासआउट एवं नॉन टेक्निकल डिग्री होल्डर जैसे– इंटर व स्नातक पास अभ्यर्थियों के लिए वेल्डर फैब्रिकेटर पाइप फिटर ब्रशप्रेटर स्प्रेपेंटर सुपरवाइजर फैब्रिकेशन सुपरवाइजर स्ट्रक्चर सुपरवाइजर स्ट्रक्चरफिटर फिटरस्टैटिक रिंगर मिलराइटरफिटर रोटरीरिंगर सुपरवाइजर स्टैटिक गैस कटर सेफ्टी ऑफिसर प्लैनिंग ऑफीसर प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग डिफाइरी ग्राइंडर आदि विभिन्न पदों के लिए शारीरिक परीक्षण व साक्षात्कार के माध्यम से भर्ती करेंगें।

उन्होने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी की तरफ से रहना व खाना फ्री है। 8 घंटे की ड्यूटी होगी और 154 रुपए परहावर ओवरटाइम भी मिलेगा। वेतनमान 17000 प्लस 2250 व 12 प्रतिशत पी. एफ. आदि निश्चित है। कंपनी के भर्ती अधिकारी श्री आर०पी० शर्मा नियत स्थान– राजकीय आई.टी.आई परिसर स्मार्ट क्लास बस्ती में तिथि 22 जून को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अभ्यर्थियों का परीक्षण व साक्षात्कार आदि लेकर चयनित करेंगे । इच्छुक अभ्यर्थी अपने बायोडाटा (रिज़ूम के साथ) निःशुल्क प्रतिभाग कर सकते हैं। अथवा इच्छुक जाबसीकर सेवायोजन पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in पर भी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है।

मोदी ने ट्रम्प से कहा– भारतीय नाविकों की सुरक्षा महत्वपूर्ण

नई दिल्ली (आभा)। फ्रांस के एवियन में आयोजित 52वें ज7 समिट में बुधवार को मोदी और ट्रम्प ने मुलाकात की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को कहा कि जब तक मैं प्रेसिडेंट हूं व्हाइट हाउस में उनका अच्छा दोस्त हमेशा मौजूद रहेगा। उन्होंने मोदी की तारीफ करते हुए कहा– जब तक मोदी लीडर हैं, इंडिया हर फील्ड में बड़ा रोल निभाएगा। मोदी शांत और जबरदस्त नेता हैं, लेकिन मैं मोदी की तरह नहीं हूं। वहीं ट्रम्प से मुलाकात के दौरान मोदी ने कहा कि समुद्र में

भारतीयों की सुरक्षा जरूरी है। उम्मीद है कि ईरान के साथ डील में भारतीयों की सुरक्षा पक्की की जाएगी।

पीएम ने कहा कि होर्मुज खुला रहना जरूरी है। मैं वेस्ट एशिया में शांति की कोशिशों में ट्रम्प की लीडरशिप की तारीफ करता हूं। ट्रम्प के नेतृत्व में शांति की उम्मीद दिख रही है।

फ्रांस में जी7 बैठक के इतर द्विपक्षीय वार्ता में हिस्सा ले रहे दोनों वैश्विक नेताओं ने कई मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, थ्यह (पीएम मोदी) बहुत ही अच्छे और सख्त वार्ताकार हैं। आप इनकी तरफ देखें। मैं आपको बताता हूं। यह बेहद ही खूबसूरत इंसान हैं। यह बहुत सुंदर दिखते हैं किसी एंजेल की तरह, लेकिन वास्तव में वह बहुत ही ज्यादा सख्त हैं।

महिला ने महिला को मार डाला!

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती।मंगलवार शाम बच्चे को काला कहने पर महिलाओं में विवाद हो गया। पड़ोस में रहने वाली दो महिलाओं के बीच कहासुनी के बाद एक महिला ने दूसरी पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल महिला की अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। मामला रुधौली थाना क्षेत्र के बभनी मिश्रा गांव का है।

महुआ बैरियहवा गांव निवासी मोहम्मद रईस की पत्नी खुशनुमा और मोहम्मद अयूब की पत्नी माजिदा आमने–सामने रहती थीं। मंगलवार शाम खुशनुमा अपने बच्चों को बुला रही थी। इसी दौरान उसने 'काला' शब्द का इस्तेमाल किया। माजिदा को लगा कि उसके बच्चों को ताना दिया जा रहा है। इसी बात पर दोनों महिलाओं के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों के बीच हाथापाई होने लगी। आरोप है कि इसी दौरान खुशनुमा घर से चाकू लेकर आई और माजिदा के पेट में वार कर दिया। चाकू लगने से माजिदा गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ी। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण उसे तुरंत संतकबीरनगर जिले के सेमरियावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

घूसखोरी के आरोप में तीन पुलिसकर्मी निलंबित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। परसरामपुर थाने के एक दीवान समेत तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। रिश्वत मांगने के आरोपों की प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद यह कदम उठाया गया। निलंबित किए गए पुलिसकर्मियों में दीवान जगत नारायण यादव, आरक्षी आनंद यादव और आरक्षी बृजभूषण सिंह शामिल हैं। इन पर एक मामले में घूस मांगने का आरोप लगा था।

पीड़ित ने साक्ष्यों के साथ उच्चाधिकारियों से शिकायत की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि ये पुलिसकर्मी अपने पद का दुरुपयोग कर अवैध वसूली का दबाव बना रहे थे। दो दिन पूर्व एक वीडियो भी वायरल हुआ था।

शिकायत की गंभीरता को देखते हुए एसपी डॉ. यशवीर सिंह ने गोपनीय जांच कराई। जांच में आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए, जिसके बाद बुधवार को तीनों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया और विभागीय जांच के आदेश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एक हजार की जगह कक्ष निरीक्षकों को मिला 750 रूपया: शिक्षकों में रोष

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रवक्ता महिला पुरुष राजकीय इंटर कॉलेज प्रारंभिक परीक्षा 2025 14 जून 2026 को जनपद के 14 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित कराई गई । इसको सकुशल संपन्न कराने हेतु कक्ष निरीक्षकों की तैनाती की गई थी। परीक्षा के उपरांत कक्ष निरीक्षकों को पारिश्रमिक 750 रुपए प्रदान किया गया जबकि आयोग द्वारा निर्धारित पारिश्रमिक 1000 रुपए है, जिसमें प्रति कक्ष निरीक्षक 250 रुपए कम दिया गया। अन्यत्र जनपदों में सभी कक्ष निरीक्षकों को पारिश्रमिक के रूप में 1000 रूपया प्रदान किया गया, जिसकी सूचना प्राप्त होते ही जनपद के उपरोक्त कार्य में लगे शिक्षकों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया और सभी ने मांग किया कि उन्हें भी पूर्ण पारिश्रमिक प्रदान कराया जाए।

-जिलाधिकारी तक पहुंचा मामलाः 250 रूपये की शेष राशि वापस कराने की मांग

जिलाधिकारी से मिलकर इसकी जांच कराने एवं बकाया पारिश्रमिक दिलाने की मांग किया और मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई है। 250 रुपये कम क्यों दिया गया ?इसकी जाँच की जाय ,और बकाया अवशेष धनराशि 250 रूपये शिक्षकों को दिलाया जाय,यदि ऐसा नहीं होता है तो संगठन धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होगा।

संगठन के पदाधिकारियो ने प्रतिनिधिमंडल में ध्रुव नारायण चौधरी, प्रदेश मंत्री, विजेंद्र वर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष तौआब अली जिला संयोजक अटेवा, दीपक सिंह प्रेमी मंडलीय महामंत्री अटेवा, डॉक्टर सत्य प्रकाश मौर्य महामंत्री एकजुट, बाबूराम वर्मा प्रवक्ता एकजुट अजय कुमार वर्मा जिला अध्यक्ष एकजुट सहित अनेक शिक्षक शामिल रहे।

बांस से पीट कर मार डाला

भारतीय बस्ती संवाददाता–

कलवारी (बस्ती)। कलवारी थाना क्षेत्र के कलवारी मुस्तहकम गांव के गेट पर दुबी– लुम्बनी मार्ग के बगल एक अधेड़ व्यक्ति को बांस से पीटकर घायल कर दिया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस व परिजन पहुंचे और घायल को एंबुलेंस से कलवारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहादुरपुर भेजवाया ।जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। घटना स्थल पर क्षेत्राधिकारी कलवारी प्रदीप कुमार त्रिपाठी, प्रभारी निरीक्षक कलवारी संतोष कुमार व फारेंसिक टीम ने घटना स्थल पर पहुंच कर जानकारी एकत्रित किये और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं स्वजनों का रो रोकर बुरा हाल है। कलवारी मुस्तहकम गांव निवासी 65 वर्षीय मोहम्मद शमी कलवारी बाजार में दुकान पर रहकर सिलाई करता था। वह भोजन करने घर जा रहा था। वह गांव के पास पहुंचे ही थे कि गांव के राज कुमार प्रजापति ने हमला कर लहुलुहान कर फरार हो गया। दिगवंत की पत्नी जमीदुन निशा ने बताया कि उसके दो लड़के गुलाम हुसेन व अली बाहर रहते है। घर पर इनका इंतजार कर रही थी। गांव के लोगों ने घटना की जानकारी दिये कि गेट के बगल घायल पडे है। पत्नी ने बदले की भावना से मेरे पति को मार डालने का आरोप लगाते हुए कहा कि फरवरी माह में राज कुमार की पत्नी 32 वर्षीय छत्रावती ने फांसी लगा ली थी। आरोप था कि मृतक के लड़के से उसका अवैध सम्बन्ध था। जिसके प्रताड़ना से आजिज आकर आत्महत्या कर ली थी। जिसमें दिवंगत का बेटा अली हुसैन को पुलिस ने हिरासत में लेकर जेल भेजा दिया था। जिसके बाद जेल से छूटा और फिर घर वाले मुम्बई भेज दिये। घटना स्थल पर कलवारी, नगर, दुबौलिया, कप्तानगंज की पुलिस मौके पर मौजूद रहे रहीं।

अपर पुलिस अधिक्षक श्रीकांत ने बताया कि मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी की तलाश की जा रही है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

बीएसए पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी व शिक्षकों के उत्पीड़न के गंभीर आरोप, डीएम से जांच, कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी 'बीएसए' अनूप कुमार के विरुद्ध भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, अनियमितताओं, शिक्षकों के उत्पीड़न तथा आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए बुधवार को जिलाधिकारी को एक विस्तृत शिकायत पत्र सौंपा गया है। शिकायतकर्ता आर.के. आरतियन, पूर्वांचल जोन प्रभारी, भारत मुक्ति मोर्चा ने मामले में उच्चस्तरीय एवं स्वतंत्र जांच कराने के साथ ही प्रभावी कार्यवाई की मांग किया है।

डीएम को दिये शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बेसिक शिक्षा विभाग में विभिन्न योजनाओं एवं मदों के तहत शासन से प्राप्त धनराशि के उपयोग में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं की जा रही हैं। आरोप है कि परिषदीय विद्यालयों, पीएमश्री विद्यालयों तथा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों के लिए भेजी गई धनराशि से कथित रूप से कमीशनखोरी की जा रही है तथा कुछ चुनिंदा फर्मों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं प्रभारी प्रधानाध्यापकों पर विशेष फर्मों से सामग्री क्रय करने का दबाव बनाया जाता है। आरोपों के अनुसार ऐसा न करने वाले शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों के विरुद्ध जांच, निलंबन तथा अन्य प्रशासनिक कार्रवाई का भय दिखाया जाता है।

शिकायत पत्र में विद्यालय निर्माण, मरम्मत कार्य, बाला पेंटिंग, स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, अतिरिक्त कक्षा–कक्ष निर्माण, खेल सामग्री, लर्निंग बाई डूइंग सामग्री तथा अन्य खरीद प्रक्रियाओं में कथित वित्तीय अनियमितताओं का भी उल्लेख किया गया है। कुछ फर्मों को लाभ पहुंचाने तथा गुणवत्ता विहीन सामग्री की आपूर्ति कराए जाने के आरोप भी लगाए गए हैं।

इसके अतिरिक्त शिकायत में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों, संविदा कर्मियों, सेवा प्रदातओं एवं अन्य पदों पर नियुक्तियों में कथित रूप से धन उगाही कर नियुक्तियां देने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता ने मृतक आश्रित नियुक्तियों, ईसीसी भर्ती तथा अन्य चयन प्रक्रियाओं में भी अनियमितताओं की जांच की मांग की है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि विभाग के कुछ अधिकारियों, कर्मचारियों, जिला समन्वयकों तथा कथित रूप से संबंधित फर्म संचालकों की भूमिका की भी जांच की जानी चाहिए। साथ ही बीएसए एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों की चल–अचल संपत्तियों, बैंक खातों तथा आय के स्रोतों की जांच कराए जाने की मांग की गई है।

शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से अनुरोध किया है कि जांच पूरी होने तक बीएसए को संवेदनशील पद से हटाकर अन्यत्र संबद्ध किया जाए, ताकि जांच निष्पक्ष रूप से संपन्न हो सके और साक्ष्यों से किसी प्रकार की छेड़छाड़ न हो। फिलहाल शिकायत में लगाए गए आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले में प्रशासन की ओर से जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

डीएम के प्रशासनिक अधिकारी को डीएम को सम्बोधित पत्र सौंपने के दौरान मुख्य रूप से राम सुमेर यादव, दीपक आर्य, मो. आरिफ, मो. अजीम, चन्द्र प्रकाश गौतम आदि शामिल रहे।

–भारत मुक्ति मोर्चा ने सौंपा वृहद ज्ञापनः तथ्यों के साथ दिया जानकारी

यूपी के 465 स्कूलों की मान्यता समाप्त

लखनऊ (आभा)। लगातार दो साल तक नामांकन शून्य रहने वाले 465 स्कूलों पर कार्रवाई करते हुए यूपी बोर्ड ने उनकी मान्यता को समाप्त कर दिया है। यूपी बोर्ड की यह कार्रवाई, लखनऊ, हरदोई, कानपुर समेत कई जिलों के स्कूलों में की गई है। सबसे ज्यादा गाजीपुर जिले के स्कूलों पर कार्रवाई हुई है।

गाजीपुर, हरदोई, लखनऊ समेत कई जिलों में यूपी बोर्ड से जुड़े 465 स्कूलों पर कार्रवाई हुई है। यूपी बोर्ड ने इन स्कूलों की मान्यता को समाप्त कर दिया है। ये वो स्कूल हैं, जिनमें लगातार दो साल तक नामांकन शून्य रहा है। यूपी बोर्ड की इस कार्रवाई से स्कूलों में हड़कंप मचा है। इंटरमीडिएट शिक्षा अधिनियम–1921 के विनियमों के तहत हाईस्कूल अथवा इंटरमीडिएट स्तर के ऐसे विद्यालय जिसके लगातार दो वर्ष तक कोई छात्र परीक्षा में सम्मिलित नहीं होते अथवा कक्षाएं संचालित नहीं होती हैं तो विद्यालय की मान्यता स्वतः समाप्त समझी जाएगी।

पूर्व सांसद ने किया विकसित भारत प्रदर्शनी का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र व पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने भारत रत्न पं. अटल बिहारी बाजपेयी प्रेक्षागृह परिसर में जिला प्रशासन एवं सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारम्भ किया। उन्होने विकसित भारत प्रदर्शनी व जनपद के विभागों द्वारा लगायी गयी विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में केन्द्र सरकार की 12 वर्ष की योजनाओं की उपलब्धियों एवं प्रदेश सरकार की 09 वर्ष की उपलब्धियों के विकास कार्यो को दिखाया गया है। प्रदर्शनी में सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया है।

इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख सदर राकेश श्रीवास्तव, सल्टौआ के दुष्यन्त विक्रम सिंह, नगर पालिका अध्यक्षा प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, अपर जिला सूचना अधिकारी हितेन्द्र कुमार सहित संबंधित जनप्रतिनिधि व अधिकारीगण उपस्थित रहें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल ने भी प्रेक्षागृह परिसर में पहुँचकर विकसित भारत प्रदर्शनी व जनपद के विभागों द्वारा लगायी गयी विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

सूदखोरों के चंगुल में फंसे हरेन्द्र ने फंसरी लगाकर जान दियाः पत्नी ने किया दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सूदखोरों के चंगुल में फंसे कोतवाली थाना क्षेत्र के पोखर भिटवा निवासी हरेन्द्र सिंह ने 12 जून को फंसरी लगाकर जान दे दिया। हरेन्द्र सिंह स्पष्ट रूप से कहा है कि गांव के श्याम बहादुर सिंह व राघवेन्द्र सिहं उर्फ पप्पू सिंह पुत्रगण जय प्रकाश सिंह ब्याज पर पैसा देते हैं और टेम्पो चलाकर जीविका का पालन करने वाले हरेन्द्र ने उनकी दूकान ग्रीन वैली ट्रेडर्स उमरी सोनूपार से 41 हजार रुपये में टेम्पो की बैट्री लिया जो काम नहीं कर रही थी, जब हरेन्द्र ने इसकी शिकायत श्याम बहादुर सिंह से किया तो उसने बैट्री बदलने से इंकार कर दिया। इसी तनाव को लेकर सूदखोरों के चंगुल में फंसे हरेन्द्र सिंह ने 12 जून को फंसरी लगाकर जान दे दिया।टेम्पो चालक हरेन्द्र सिंह की पत्नी शोभना सिंह की तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने पोखरा भिटवा निवासी श्याम बहादुर सिंह और राघवेन्द्र सिंह उर्फ पप्पू सिंह के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया है किन्तु अभी तक पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। शोभना सिंह ने दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग करते हुये अपने परिवार के जान माल के खतरा की गुहार लगाते हुये कहा है कि पति के किया कर्म सम्पन्न होने के बाद वह एसपी से मिलकर न्याय की गुहार लगायेगी।

कोतवाली पुलिस को दिये तहरीर में हरेन्द्र सिंह की पत्नी शोभना सिंह ने कहा है कि गाँव के श्याम बहादुर सिहं व राघवेन्द्र सिहं उर्फ पप्पू सिंह पुत्रगण जय प्रकाश सिहं ब्याज पर रुपया देते हैं तथा आटोरिक्शा के बैट्री की इनकी दुकान भी है। उनके पति हरेन्द्र सिंह ने उन लोगों से रुपया उधार लिया था तथा आटो रिश्शा की बैट्री भी उनकी दुकान से खरीदा था। उधार ली गयी रकम उनके पति ने ब्याज सहित वापस कर दिया है परन्तु मुल्जिमान गलत ढंग से ब्याज जोड कर उनके पति का आर्थिक शोषण व मानसिक उत्पीड़न करते थे। आटो रिक्शा की बैट्री भी जल्दी ही खराब हो गयी जिसे बदलने के लिए मुल्जिमान उनके पति से बार–बार कहते थे परन्तु मुल्जिमान बैट्री बदलने के बजाय उनके पति का उपहास करते थे तथा नाजायज ढंग से ब्याज का रुपया माँगते थे और बार बार कहते थे कि ब्याज का रुपया नहीं दे पा रहे हो तो पानी में नाक रगड़ कर या गले में फंदा लगा कर मर जाओ। उनके पति कहते थे कि बैट्री बदल दीजिए आटोरिक्शा से ही मेरी परवरिश होती है तो मुल्जिमान कहते थे कि तो परिवार सहित मर क्यों नहीं जाते क्यों जी रहे हो। इस प्रकार मुल्जिमानों ने कई बार उसके सामने भी उनके पति को आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करते थे। उनके पति हरेन्द्र सिंह ने आत्महत्या कर लिया जिसके लिए मुल्जिमान उपरोक्त ही जिम्मेदार है। उसने दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग किया है।

सदन में शिक्षकों का मुद्दा उठाने वाले एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह का शिक्षकों ने किया स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। बुधवार को शिक्षकों के एक प्रतिनिधि मण्डल ने शिक्षक नेता अभय सिंह यादव के नेतृत्व में गोरखपुर जाकर स्थित आवास पर विधान परिषद सदस्य देवेन्द्र प्रताप सिंह का शिक्षकों का मुद्दा प्रभावशाली ढंग से विधान परिषद में उठाये जाने और मुख्यमंत्री से मिलकर टेट समस्या के समाधान की पहल के लिये उनका फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने शिक्षकों के प्रतिनिधि मण्डल से कहा कि शिक्षक हितों के लिये उनका संघर्ष हर स्तर पर जारी रहेगा।

शिक्षक नेता अभय सिंह यादव ने बताया कि टेट के सवाल को लेकर प्रदेश के शिक्षक परेशान थे, ऐसे में एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री से मिलकर विभागीय टेट परीक्षा का अनुरोध किया जिसे मुख्यमंत्री ने स्वीकार कर लिया। शिक्षक हितों के लिये यह बड़ा कदम है। इससे लाखों शिक्षकों को राहत मिली है।

परिषदीय शिक्षकों के लंबित वेतन विसंगतियों को दूर कराने के लिए सदन में उठाते हुए सरकार से मांग किया कि 30 नवंबर 2008 के बाद पदोन्नति प्राप्त सभी शिक्षकों को न्यूनतम वेतन 17140 का लाभ प्राप्त नहीं हो रहा है जो विसंगति पूर्ण है इसको 9 जून 2014 के शासनादेश का पालन कराते हुए शिक्षकों के वेतन विसंगति को दूर कराया जाए पुनरीक्षित वेतन प्राप्त होने से वंचित सभी शिक्षकों को उस लाभ से लाभान्वित किया जाए एक ही संवर्ग में दोहरा मापदंड नहीं रह सकता है ।

वेतन विसंगति को दूर कराने के सदन में पुरजोर तरीके से रखने के लिए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिला कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव ने जिला अध्यक्ष उदय शंकर शुक्ला की पहल पर एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह का स्वागत किया।

एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह का स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से नवीन चौधरी, मारूफ खान, सुमन्त सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, अजय सिंह, सौरम तिवारी, चन्द्रशेखर शर्मा सहित अनेक शिक्षक शामिल रहे।

-देवेन्द्र प्रताप की पहल पर टेट में मिली राहत-अभय सिंह यादव

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 18 जून 2026 गुरूवार

सम्पादकीय

डिब्बाबंद भोजन के खतरे

भारत में सामान्यतः उत्पादों पर गुणवत्ता व उपयोग–तिथि के दावों के बावजूद उसके सेहत से जुड़े सरोकार सवालों के घेरे में रहे हैं। यह आम धारणा बनी हुई है कि कुछ लोग मुनाफे के लिए सामान की एक्सपाइरी डेट दर्ज करने में हेरफेर करने तक से नहीं चूकते। यह भी विश्वास से नहीं कहा जा सकता है कि सामान में शामिल घटकों का विवरण ईमानदारी से लेबल पर दर्ज किया गया हो। गाहे–बगाहे मीडिया व उपभोक्ता अदालतों में ऐसे मामलों की गूंज रहती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से संवेदनशील लोगों के जीवन पर सही लेबलिंग से आंच नहीं आ सकती। इसी के मद्देनजर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण यानी एफ.एस.एस.ए.आई. द्वारा कई खाद्य कंपनियों को गुमराह करने वाले ट्रेड नाम के इस्तेमाल और सेहत से जुड़े दावों के लिए नोटिस जारी करना, निश्चय ही एक स्वागतयोग्य कदम है। अक्सर प्रतिष्ठित उत्पाद वाली कंपनियों के लेबल लगाकर हल्के सामान बेचने के मामले भी उजागर होते हैं। हकीकत है कि आकर्षक पैकेजिंग के जरिये उत्पाद की न्यूट्रिशन से जुड़ी जानकारी को पार्श्व में डाल दिया जाता है। विडंबना यह है कि देश में ऐसा नियामक तंत्र विकसित नहीं हो पाया है जो लगातार जनहित में खाद्य उत्पादों की जांच–पड़ताल कर सके। निश्चित रूप से रेगुलेटरी संस्था की निगरानी सिर्फ कभी–कभार नोटिस जारी करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इस तरह की कार्रवाई कुछ समय के लिए तो सुर्खियां बनती हैं लेकिन फिर लोगों को इसकी याद कम ही रह जाती है। इस तरह की पहल को ग्राहकों की सुरक्षा में पारदर्शिता, जवाबदेही और जागरूकता पर आधारित लगातार चलने वाले एक राष्ट्रीय मिशन का रूप दिया जा सकता है। निश्चित रूप से लाखों भारतीयों के लिए खाने की चीजों पर लेबलिंग सेहत से जुड़ा मामला है। मसलन कशेरुक रोग से पीड़ित लोग ग्लूटेन से बचने के लिए लेबलिंग पर लिखी जानकारी पर निर्भर रहते हैं, क्योंकि यह उनकी आंतों को नुकसान पहुंचा सकता है।

निस्संदेह, कई एलर्जी व रोगों से जूझने वाले लोगों को कुछ उत्पादों में मौजूद पदार्थों की वजह से लंबे समय तक रहने वाली परेशानियां हो सकती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि उत्पादों के लेबल पर आधी–अधूरी, अस्पष्ट जानकारी ही दी जाती है। अक्सर उत्पादों पर हेल्दी, नेचुरल और आयुर्वेद पद्धति पर आधारित जैसे लुभावने शब्दों का इस्तेमाल करके ग्राहकों को भ्रमित किया जाता है, जिससे उपभोक्ता असमंजस की स्थिति में पड़ आते हैं। मधुमेह, एलर्जी और खानपान से जुड़े दूसरे परहेजों में अस्पष्ट व गलत जानकारी हानिकारक हो सकती है। उत्पादकों की ईमानदारी व उत्पाद की गुणवत्ता को लेकर भरोसा करना ग्राहकों के लिए मुश्किल हो जाता है। जैसे–जैसे भारतीय समाज में पैकेट बंद खाद्य पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, देश में एक मजबूत नियामक ढांचे की सख्त आवश्यकता महसूस की जा रही है। दरअसल, देखने में आता है कि छोटे दुकानदार अपने नुकसान को बचाने के लिए उसका बोझ ग्राहकों पर डाल देते हैं। एक प्रतिबद्ध नैतिकता का अभाव इस मुनाफे के कारोबार में अक्सर नजर आता है। निस्संदेह, किसी उत्पाद के पैकेट में उल्लेखित जानकारी ग्राहक के समझने के लिए आसान होनी चाहिए। साथ ही बिना तथ्य व तार्किकता के सेहत से जुड़े दावे करने वाले उत्पादकों की जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। इसके लिये जरूरी है कि समय–समय पर इन उत्पादों की उत्पादन प्रक्रिया की औचक निगरानी व पड़ताल होनी चाहिए। साथ ही बार–बार नियम तोड़ने पर कड़े जुर्माने का प्रावधान भी होना जरूरी है। देश में कोशिश हो कि उपभोक्ता जागरूकता अभियान को सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बनाया जाए। इस अभियान में स्कूलों, हेल्थकेयर संस्थानों और विभिन्न मीडिया समूहों को आम लोगों का मार्गदर्शन करना चाहिए कि किसी उत्पाद में दर्ज न्यूट्रिशन लेबल को कैसे समझें। कैसे भ्रमित करने वाले दावों की पड़ताल करें। साथ ही कैसे वे सेहत के अनुकूल उत्पादों के विकल्प का चयन कर सकें। निश्चित रूप से एक जागरूक उपभोक्ता ही अनैतिक मार्केटिंग के खिलाफ बचाव की राह दिखा सकता है। खाद्य उत्पाद से जुड़े कारोबारियों को कानून के बजाय नैतिक दायित्वों के निर्वहन से कारोबार में शुचिता को बनाये रखनी चाहिए।

सनातन, नारी सम्मान और योगी आदित्यनाथ

–मृत्युंजय दीक्षित–

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजनीति से ऊपर उठकर सनातन धर्म तथा स्त्री गरिमा तथा सम्मान के हित में बड़ी रेखाएं खींच रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव की बेटी के प्रति सोशल मीडिया के माध्यम से आपत्तिजनक बयानबाजी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने केआदेश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद अपराधियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गयी है। मुख्यमंत्री ने सख्ती के साथ कहा है कि किसी भी बेटी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए हर बेटी का सम्मान होना चाहिए। हम उन संस्कारों में पले –बढ़े हैं जहां गांव की बेटी–बहन को पूरे गांव की बेटी –बहन माना जाता है।

मुख्यमंत्री योगी बेटियों की सुरक्षा के लिए संकल्पवान हैं। वह कई जनसभाओं मे अपना मंतव्य स्पष्ट कर चुके हैं कि अगर किसी ने बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने का प्रयास किया तो अगले चौराहे पर उसका इंतजार यमराज कर रहा होगा। योगी जी के बयानों का असर धरातल पर भी दिखाई पड़ता है। बेटियों के साथ होने वाली अप्रिय घटनाओं पर त्वरित कार्यवाही हो रही है। आरोपियों का हाफ एनकाउंटर हो रहा है तथा आवश्यकता पड़ने पर बुलडोजर एक्शन भी हो रहे हैं। प्रदेश में नारी समाज को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। नवरात्रि के अवसर पर मिशन शक्ति जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के माध्यम से नारी सशक्तीकरण का महाअभियान चलाया जा रहा है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव की बेटी पर टिप्पणी करने वालों के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा रवैया दिखाकर सपा मुखिया अखिलेश यादव द्वारा बुने जा रहे चक्रव्यूह को एक ही झटके में ध्वस्त कर दिया है। सपा मुखिया अखिलेश की बेटी अदिति पर सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी के बाद मुख्यमंत्री योगी ने जो एक्शन लिया है उसने इस दुखद घटना पर बनाए जा रहे सपा के राजनैतिक नैरेटिव को ध्वस्त कर दिया है। जब सोशल मीडिया के माध्यम से यह विवाद बड़े राजनीतिक तूफान में बदल रहा था और सपा योगी जी व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह कहकर घेरने का प्रयास कर रही थी कि, "जिनका खुद का परिवार नहीं वो परिवार का दर्द क्या समझेंगे" तब योगी जी इस घटना के जिम्मेदार लोगों को ढूंढ रहे थे। योगी जी ने अपराधियों पर तुरंत एफआईआर कराने के निर्देश जारी करते हुए कहा कि वह किसी भी बेटी क्यों न हो बेटी पर अभद्र टिप्पणी बर्दाश्त नहीं है।

यूपी चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ ने अपने इस कदम से सिद्ध कर दिया है कि महिला सुरक्षा और सम्मान के मामले में उनकी सरकार बिना किसी भेदभाव के काम करती है। इससे सपा मुखिया रक्षात्मक रुख अपनाने को बाध्य हो गए हैं। अब भाजपा सपा के पुराने बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट्स को लेकर उस पर हमलावर है। जो मुद्दा सरकार को घेरने के लिए तैयार किया जा रहा था उस पर योगी जी की प्रशासनिक और राजनीतिक सूझबूझ का बुलडोजर चल गया है। समाजवादी पूर्व में कई बार नारी सम्मान व उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली बयानबाजी करते रहे हैं। स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने एक बार कहा था कि "लड़के हैं गलतियां हो जाती हैं। सपा के कद्दावर नेता माने जाने वाले आजम खां जैसे नेता तो कई बार महिलाओं की गरिमा के खिलाफ अभद्र टिप्पणी कर चुके हैं। मायावती जी पर तो सपाइयों ने हमला ही बोल दिया था। सपा राज में महिला सुरक्षा की कितनी बुरी स्थिति थी यह हर कोई जानता है।

योगी की पाती दे रही सनातन विचार–विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरुकता दिवस पर योगी जी ने एक पाती जारी की है। इस पाती में उन्होंने वृद्धजनों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए लिखा है कि उम्र के अमृतकाल में वृद्धजनों को अपनत्व की सर्वाधिक आवश्यकता होती है, दुर्भाग्य से समाज ऐसे समय का साक्षी बन रहा है जब वृद्धजनों को अपनों का दुर्व्यवहार सहना पड़ता है। योगी जी ने आगे लिखा है कि सनातन संस्कृति में माता–पिता और गुरु को साक्षात ईश्वर माना जाता है। पाती में योगी ने एक प्राचीन कथा के माध्यम से इस विषय को समझाया। भगवान शिव–पार्वती ने पुत्र गणेश जी और कार्तिकेय के समक्ष समस्त जगत की परिक्रमा की चुनौती रखी। भगवान गणेश ने माता–पिता को ही संपूर्ण सृष्टि मानकर उनकी परिक्रमा कर ली। उन्होंने भगवान श्रीराम का भी उदाहरण दिया। योगी जी का स्पष्ट कहना है कि सनातन, धार्मिक तथा सामाजिक परंपराओं, पारिवारिक संबंधों एवं मूल्यों पर आधारित जीवन शैली है। सनातन में बड़ों का चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेने की परंपरा है ऐसा इसलिए क्योंकि वे हमारी संस्कृति और जीवन मूल्यों के धरोहर हैं। वृद्धजनों का सम्मान केवल संस्कर नहीं बल्कि हमारी गौरवशाली सभ्यता की पहचान है। अपनी पाती मे वह बता रहे हैं कि वृद्धजन व निराश्रित महिलाओं के लिए प्रदेश सरकार ने 1500 रुपए प्रति माह पेंशन देने का निर्णय लिया है।

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार सनातन संस्कृति के विचारों पर चलते हुए उन्हें आगे बढ़ा रही है और सनातन संस्कृति को पुष्ट करने वाले निर्णय ले रही है।

घर की जीवन रेखा स्त्री और अदालती फैसला

–दिनेश भारद्वाज–

कोर्ट ने समाज को सोच बदलने को इशारा किया है। घर की जीवन रेखा स्त्री का मूल्य उस दिन तय नहीं होना चाहिए जब उसकी कमी खले। वास्तव में उसका मूल्य को तभी से प्रतिष्ठा मिले, जब वह बिना पदनाम, वेतन और औपचारिक पहचान के घर को जीवंत करती हो। कुछ फैसले अदालतों के रिकॉर्ड में दर्ज होकर खत्म नहीं होते। वे समाज की सोच में प्रवेश करते हैं और उन मान्यताओं को चुनौती देते हैं जिन्हें लंबे समय से सामान्य मान लिया गया हो। सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला, जिसमें सड़क दुर्घटना में एक गृहिणी की मृत्यु के मामले में घरेलू श्रम के आर्थिक मूल्य को स्वीकार किया गया, ऐसा ही फैसला है। पहली नजर में यह मामला महज मुआवजे के निर्धारण का लग सकता है, लेकिन इसकी असली गूंज उससे कहीं आगे जाती है। यह उस सामाजिक सोच पर सवाल उठाता है, जिसने घर के भीतर होने वाले महिलाओं के श्रम को प्रतिष्ठा नहीं दी।

अदालत ने माना कि गृहिणी सही मायने में 'होममेकर' है। उसका श्रम उत्पादक है, उसका योगदान वास्तविक है और उसकी अनुपस्थिति का असर केवल भावनात्मक नहीं, आर्थिक और संरचनात्मक भी होता है। सवाल यह नहीं है कि अदालत ने घरेलू श्रम का आर्थिक मूल्य किस आधार पर तय किया। प्रश्न यह है कि जिस श्रम पर करोड़ों परिवार टिके हुए हैं, उसे श्रम मानने में हमें इतना समय क्यों लगा।

भारत में परिवार को एक संस्था के रूप में देखा गया है। उसकी स्थिरता, उसकी सामाजिक भूमिका और सांस्कृतिक महत्व पर लगातार बात होती रही है। लेकिन इस स्थिरता को बनाए रखने वाले श्रम पर उतनी गंभीर चर्चा नहीं हुई। घर चलाना केवल खाना बनाने तक सीमित नहीं होता। यह समय प्रबंधन, संसाधनों का संतुलन, बच्चों की परवरिश, बुजुर्गों की देखभाल, सामाजिक संबंधों का निर्वाह और परिवार की भावनात्मक संरचना को संभालने की निरंतर प्रक्रिया है। घर के भीतर होने वाला यह श्रम इसलिए अदृश्य हो जाता है क्योंकि वह बाजार के बाहर होता है। जिस काम के लिए बाहर किसी को नियुक्त किया जाए तो उसका भुगतान तय होता है, वही काम जब घर के भीतर किया जाता है तो उसे जिम्मेदारी, प्रेम या संस्कार का विस्तार मान लिया जाता है। यहां समाज को अपने भीतर झांकने की जरूरत है। हमारे यहां लंबे समय तक एक सामान्य वाक्य चलता रहा, 'वह काम नहीं करती, घर संभालती है।' कथन के भीतर एक गहरी सामाजिक संरचना छिपी है।

महिलाएं बौद्धिक रूप से पुरुषों के बराबर होती हैं। महिलाओं को पुरुषों से कम वेतन मिलना चाहिए, क्योंकि वे कमजोर हैं, छोटी हैं।' यह वक्तव्य वारसा यूरोपीय संसद में पोलैंड के एक सांसद ने दिया। यह बयान, हमें याद दिलाने के लिए काफी है कि महिला समानता का संघर्ष अभी बहुत देर तक चलेगा। यह कोरा मिथ है कि महिलाओं में जैविक रूप से भारी और कठोर काम करने की क्षमता नहीं होती। 1930 के उत्तरार्ध और 1960 के मध्य में अंतरूसांस्कृतिक आंकड़ों में स्वीकार किया गया था कि पुरुष, महिलाओं को सौंपे जाने वाले कार्य करने में अक्षम हैं और स्त्रियां पुरुषों के कार्यों को नहीं कर सकतीं। कुछ समाजों में आज भी बुनाई, कताई और खाना बनाने जैसे घरेलू कार्य पुरुष करते हैं, वहीं मोतियों के लिए गोताखोरी करना, डोंगी चलाना और घर बनाने जैसे साहसिक और कठोर कार्य स्त्रियां करती हैं। आदिम समाज की यह व्यवस्था आधुनिक समाजों में नहीं है और अगर अपवाद स्वरूप ऐसा हुआ भी, तो स्त्री को वह प्रतिष्ठा प्राप्त नहीं हुई, जो पुरुषों को प्राप्त होती रही है और इसका मुख्य कारण पुरुषों का वर्चस्व है। दरअसल, पुरुषों और स्त्रियों के मध्य व्याप्त असमानताएं प्राकृतिक नहीं, सामाजिक हैं, क्योंकि ऐसा कोई जैविक कारण नहीं होता, जिससे यह स्वीकार किया जाए कि सार्वजनिक शक्ति संपन्न पदों पर स्त्रियों की उपस्थिति कम होना प्राकृतिक है। अगर स्त्रियां वाकई जैविक रूप से परिवार का मुखिया बनने या फिर पारिवारिक संपत्ति का उत्तराधिकार पाने के लिए अयोग्य थीं, तो फिर मातृवंशीय समाज वर्षों से सफलतापूर्वक क्यों चलते रहे? स्त्रियों की समानता के अधिकार की सबसे पहले मांग अमेरिकी क्रांति के दौरान मर्सी वारेन और एबिगेल एडम्स के नेतृत्व में उठी। उन्होंने स्त्रियों के मताधिकार और संपत्ति के अधिकार सहित सामाजिक समानता की मांग करते हुए इसे संविधान में सम्मिलित करने के लिए दबाव डाला, पर प्रभुत्वशाली वर्ग के विरोध के कारण यह संभव नहीं हुआ।

सम्मान और मूल्य एक चीज नहीं हैं। सम्मान भावनात्मक हो सकता है, लेकिन मूल्य सामाजिक स्वीकृति का आधार बनता है। जिस योगदान को मूल्य नहीं मिलता, धीरे–धीरे उसकी भूमिका को स्वाभाविक मान लिया जाता है। फिर उसके पीछे का श्रम, समय और कौशल दिखाई देना बंद हो जाता है। विडंबना यह है कि परिवार की पूरी व्यवस्था को संभालने वाला व्यक्ति अक्सर आर्थिक परिभाषाओं में 'निर्भर' माना जाता रहा। यह विरोधाभास सोच का भी है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला इसी सोच को चुनौती देता है। निस्संदेह, अदालत के फैसले ने नुकसान की परिभाषा को नया अर्थ दिया।

अब तक जब किसी नौकरीपेशा व्यक्ति की मृत्यु होती थी तो उसकी आय को परिवार की आर्थिक क्षति का आधार माना जाता था। लेकिन गृहिणी की मृत्यु के मामलों में यह तर्क दिया जाता रहा है कि उसकी प्रत्यक्ष आय नहीं थी, इसलिए आर्थिक नुकसान सीमित माना जाता है। वास्तव में किसी होममेकर की अनुपस्थिति केवल एक सदस्य की अनुपस्थिति नहीं होती। उसके साथ घर की पूरी व्यवस्था प्रभावित होती है। बच्चों की दिनचर्या बदलती है, देखभाल की प्रणाली बदलती है, घरेलू खर्च का स्वरूप बदलता है और परिवार की कार्यक्षमता पर असर पड़ता है। यह फैसला बताता है कि हर वह काम जो वेतन में नहीं बदलता, वह मूल्यहीन नहीं होता। हालांकि, इस फैसले को महिलाओं के लिए वेतन की बहस तक सीमित करना भी उचित नहीं होगा। आज जब अर्थव्यवस्था, उत्पादकता और कार्यबल भागीदारी जैसे विषय चर्चा में हैं, तब यह स्वीकार करना जरूरी है कि सामाजिक पुनरुत्पादन, यानी परिवार का निर्माण और संचालन भी किसी अर्थव्यवस्था की बुनियादी शर्त है। घर मनुष्य निर्माण की पहली संस्था होता है। यदि उस संस्था को चलाने वाले श्रम को लगातार अदृश्य रखा जाएगा तो बराबरी और सम्मान पर आधारित समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। यह फैसला समाज को संबोधित करता है कि क्या हम अपने घरों में श्रम की बराबरी को समझते हैं?

इन प्रश्नों के उत्तर अदालत नहीं दे सकती। समाज को खुद तय करना होगा कि वह इस फैसले को केवल मुआवजे के मामले का निर्णय मानता है या अपने समय के एक महत्वपूर्ण सामाजिक संकेत की तरह पढ़ता है। क्योंकि किसी होममेकर का मूल्य उस दिन तय नहीं होना चाहिए जब उसकी अनुपस्थिति दर्ज की जाए। उसका मूल्य उस दिन पहचाना जाना चाहिए जब वह हर दिन बिना किसी पदनाम, वेतन और औपचारिक पहचान के घर को चलाने के लिए उपस्थित होती है।

किसी समाज की परिपक्वता इस बात से नहीं मापी जाती कि वह श्रम का कितना भुगतान करता है। यह फैसला उन महिलाओं के लिए सामाजिक स्वीकृति है, जिनकी उपस्थिति से घर केवल चलता नहीं बल्कि आकार लेता है। और शायद इसकी सबसे बड़ी शक्ति भी यही है। अदालत ने अपने हिस्से का निर्णय दे दिया है। अब समाज को अपने हिस्से का उत्तर देना है।

गांव के स्कूल शहर से पीछे क्यों.?

–लाडली खातून–

शिक्षा को देश के विकास की सबसे मजबूत नींव माना जाता है, लेकिन आज भी बिहार के अनेक ग्रामीण इलाकों में यह नींव कमजोर दिखाई देती है। शिक्षा मंत्रालय के न्कैप् आंकड़ों के अनुसार बिहार में 94 हजार से अधिक स्कूल हैं, जिनमें लगभग 2.1 करोड़ बच्चे पढ़ते हैं। राज्य का छात्र–शिक्षक अनुपात लगभग 30रू1 है, जो राष्ट्रीय औसत 24रू1 से अधिक है। हालांकि पहले की अपेक्षा स्कूल के बुनियादी सुविधाओं में सुधार आया है, लेकिन अभी भी ऐसे कई स्कूल हैं जहां आज भी पुस्तकालय, खेल मैदान, कंप्यूटर, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी है।

ग्रामीण और शहरी स्कूलों के बीच का अंतर केवल भवनों या संसाधनों का नहीं है, बल्कि अवसरों का भी है। शहरों के स्कूलों में बच्चों को बेहतर कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, इंटरनेट और पर्याप्त शिक्षक मिल जाते हैं, जबकि गांवों के सरकारी स्कूल अक्सर सीमित संसाधनों के सहारे चल रहे हैं। इसका सीधा असर बच्चों की पढ़ाई और उनके भविष्य पर पड़ता है। जब एक बच्चा शहर के आधुनिक स्कूल में स्मार्ट क्लास और विज्ञान प्रयोगशाला का उपयोग कर रहा होता है, वहीं गांव का बच्चा कभी–कभी टूटी बेंच, जर्जर भवन और शिक्षकों की कमी के बीच पढ़ने को मजबूर होता है।

बिहार के सीतामढ़ी जिले के रामनगर गांव का माध्यमिक विद्यालय इस स्थिति की एक तस्वीर प्रस्तुत करता है। इस स्कूल में लगभग 800 बच्चे पढ़ते हैं, लेकिन उन्हें पढ़ाने के लिए केवल 14 शिक्षक हैं। यानी एक शिक्षक के हिस्से औसतन 57 से अधिक छात्र आते हैं। ऐसे में प्रत्येक छात्र पर व्यक्तिगत ध्यान देना लगभग असंभव हो जाता है। कई बार शिक्षकों को एक साथ कई कक्षाओं को संभालना पड़ता है। इससे न केवल पढ़ाई की गुणवत्ता प्रभावित होती है, बल्कि बच्चों की सीखने की गति भी धीमी हो जाती है। शिक्षक अपनी पूरी क्षमता के बावजूद छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पाते। आठवीं में पढ़ने वाला एक छात्र अंकित बताता है कि स्कूल में टीचर अक्सर पढ़ाने से अधिक रजिस्टर भरने का काम करते हैं। कक्षाएं बहुत कम लगती हैं, लेकिन हमें रोजाना स्कूल आना जरूरी है।

ग्रामीण स्कूलों की सबसे बड़ी समस्या बुनियादी ढांचे की कमी है। कई स्कूलों में पर्याप्त कक्षाएं नहीं हैं, जिसके कारण बच्चों को एक ही कमरे में अलग–अलग कक्षाओं के साथ बैठकर पढ़ना पड़ता है। बिहार के कई जिलों में निरीक्षण के दौरान यह सामने आया कि पांच–पांच कक्षाओं के बच्चों को एक ही कमरे में पढ़ाया जा रहा है। कहीं कहीं पीने के पानी की बहुत अच्छी व्यवस्था नहीं है तो कहीं शौचालय उपयोग के योग्य नहीं हैं। ऐसे माहौल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कल्पना करना कठिन हो जाता है।

इस समस्या का सबसे अधिक असर किशोरियों पर पड़ता है। रामनगर के इस विद्यालय में माहवारी के दौरान सैनिटरी पैड की कोई व्यवस्था नहीं है। स्कूल में पर्याप्त माहवारी से जुड़े प्रबंधन सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने के कारण कई किशोरियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई लड़कियां माहवारी के दिनों में स्कूल आना छोड़ देती हैं या उनकी उपस्थिति कम हो जाती है। लगातार अनुपस्थित रहने से उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है और वे धीरे–धीरे शिक्षा में पिछड़ने लगती हैं। यह केवल स्वास्थ्य और स्वच्छता का मुद्दा नहीं है, बल्कि लड़कियों के शिक्षा के अधिकार और उनके भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। जब स्कूल किशोरियों की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पाते, तब उनके लिए शिक्षा की राह और कठिन हो जाती है। माध्यमिक विद्यालय, रामनगर की आठवीं कक्षा की छात्रा अंशु कुमारी (बदला हुआ नाम) कहती है माहवारी के समय वह स्कूल नहीं जाती है क्योंकि वह का शौचालय भी ठीक नहीं है और न ही पैड निस्तारण की कोई व्यवस्था है। इसलिए माहवारी के दौरान वह स्कूल नहीं जाती है। फिर वह क्लास में पढ़ाए गए विषयों को कैसे पूरा करती है? इस सवाल के जवाब में वह चुप हो जाती है।

डिजिटल संसाधनों की कमी भी ग्रामीण स्कूलों को शहरों से पीछे धकेलती है। आज शिक्षा तेजी से तकनीक आधारित हो रही है। ऑनलाइन सामग्री, स्मार्ट क्लास और डिजिटल लर्निंग बच्चों के सीखने के नए साधन बन चुके हैं। लेकिन बिहार के अधिकांश सरकारी स्कूलों में कंप्यूटर और इंटरनेट की पहुंच अब भी सीमित है। राज्य में बड़ी संख्या में स्कूल ऐसे हैं जहां कंप्यूटर उपलब्ध नहीं हैं।

राम मंदिर चंदा विवादः अखिलेश के आरोपों पर बरसे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, बोले–'बाबरी का चंदा कहां गया

संवाददाता–देवरिया। अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद को लेकर जमकर सियासत हो रही है। अखिलेश यादव द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद से ही इस मामले ने तूल पकड़ रखा है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर लगाए गए अखिलेश के आरोपों पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सपा प्रमुख पर जोरदार हमला बोला है। देवरिया पहुंचे ब्रजेश पाठक ने कहा, अखिलेश यादव यह बताएं कि बाबरी मस्जिद के लिए जुटाया गया चंदा कहां गया? इस मुद्दे पर भी सपा मुखिया सवाल उठाएं। सनातन पर बयान देकर सपा तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति कर रही है। यह ठीक नहीं है। रामभक्तों पर गोली चलाने वालों को प्रदेश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा, अयोध्या मंदिर ट्रस्ट की जांच के लिए सरकार की तरफ से एसआईटी का गठन कर दिया गया है। जांच पूरी होने के बाद प्रकरण में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी। सपा पर बरसे ब्रजेश पाठक बोले, सपा के दांत खाने के और दिखाने के और हैं, इसलिए जनता उन पर कभी भरोसा नहीं करेगी।

अखिलेश यादव को घेरते हुए ब्रजेश पाठक बोले, यह केवल मौलाना लोगों की पार्टी और इनका कोई भरोसा नहीं हैं। उन्होंने कहा, सपा मुखिया केवल सनातन संस्कृति पर बयानबाजी करके तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीतिक कर रहे हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा करने से उनका वोटबैंक सुरक्षित हो जाएगा। उन्होंने कहा, यूपी की जनता सब समझती है कि ये रामभक्तों पर गोली चलाने वाले लोग हैं और जनता इन्हें कभी माफ नहीं करेगी। देवरिया में आयोजित एक प्रबुद्धजन सम्मेलन में सपा और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमलावर पाठक ने कहा कि सपा को जिस वर्ग से भारी समर्थन मिलता है, यदि वह अपना स्वतंत्र नेतृत्व चुन ले तो सपा एक पार्षद तक नहीं जिता पाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और नीतियों के कारण देश ने कोरोना महामारी और वैश्विक चुनौतियों जैसे कठिन दौर में भी मजबूती से आगे बढ़ना जारी रखा है। उन्होंने कहा कि देश और उत्तर प्रदेश लगातार विकास, सुशासन और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। सपा पर निशाना साधते हुए उपमुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पार्टी को एक विशेष वर्ग से व्यापक समर्थन मिलता है, लेकिन उस वर्ग को राजनीतिक नेतृत्व में पर्याप्त भागीदारी नहीं दी जाती। उन्होंने कहा कि यदि वह वर्ग अपना नेता स्वयं चुन ले तो सपा की राजनीतिक स्थिति काफी कमजोर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश और प्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकास के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं और जनता का विश्वास सरकार की नीतियों पर लगातार बढ़ रहा है।

लगा जनकल्याण शिविर, लाभार्थियों में बांटे गए चेक व प्रमाण पत्र

संवाददाता–महराजगंज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 साल पूरा होने पर बुधवार को कलक्ट्रेट परिसर में जनकल्याणकारी शिविर व विकास प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश गो–सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ला ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद मुख्य अतिथि ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों व सूचना विभाग की विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में स्कूली छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि महेश शुक्ला ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा है। आवास, उज्ज्वला, आयुष्मान, स्वच्छ भारत मिशन, किसान सम्मान निधि व डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने करोड़ों नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। उन्होंने विशेष रूप से पूर्वांचल व गोरखपुर मंडल में इंसेफेलाइटिस जैसी गंभीर बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। कार्यक्रम में डॉ. शांति शरण मिश्रा ने शिक्षा क्षेत्र में हुए व्यापक सुधारों, निपुण भारत मिशन एवं समग्र शिक्षा अभियान के सकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला। डॉ. सूरज सिंह ने स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। प्रभाकर द्विवेदी, अरुण शुक्ला, जिला प्रभारी राम जियावन मौर्य व अजय श्रीवास्तव आदि ने केंद्र सरकार के 12 वर्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्षों की उपलब्धियों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर कलक्ट्रेट परिसर में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर सीडीओ महेंद्र कुमार सिंह, डीआरडीए के पीडी रामदरस चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। शिविर में मुख्य अतिथि द्वारा विभिन्न विभागों के लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ वितरित किया गया। उद्योग विभाग के अंतर्गत ओडीओपी योजना में दो लाभार्थियों को टूलकिट व मुख्यमंत्री उद्यमी विकास अभियान के तहत तीन लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए गए। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान भारत योजना के पांच लाभार्थियों को प्रमाण–पत्र, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के दो लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चाबी व बैंक सखी के रूप में कार्यरत पांच स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मेडिकल कालेज देवरिया में बड़ी लापरवाही आई सामने, टूटा बच्ची का दाहिना हाथ, कर दिया बाएं हाथ का प्लास्टर

संवाददाता–देवरिया। महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज देवरिया में एक बड़ी लापरवाही बुधवार को सामने आई। टूटे दाहिने हाथ का प्लास्टर कराने पहुंची एक बच्ची के बाएं हाथ में कर्मचारियों ने प्लास्टर चढ़ा दिया। कुछ देर बाद इसकी भनक बच्ची की मां को लगी तो हंगामा खड़ा हो गया। मां ने चिकित्सक व सीएमएस से तत्काल शिकायत की। इसके बाद बच्ची के बाएं हाथ से प्लास्टर काट कर दाहिने हाथ में लगाया गया। उधर सीएमएस ने पूरे प्रकरण की जांच के लिए कमेटी गठित करने का निर्देश दिया है। इस लापरवाही के बाद मेडिकल कालेज में खलबली मची रही। शहर के भुजौली कालोनी में अल्पना उपाध्याय अपनी छह वर्षीय बेटी साम्भवी के साथ मायके आई हुई हैं। कुछ दिन पहले साम्भवी घर में ही गिर गई। जिससे उसके हाथ में फैक्चर आ गए। एक दिन पहले दर्द होने पर परिवार के लोग उसे एक चिकित्सक के पास ले गए, उसने एक्स–रे कराने की सलाह दी। एक्स–रे में दाहिना हाथ टूटा मिला। इसके बाद अल्पना बेटी को लेकर महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज पहुंची और हड्डी रोड में चिकित्सक को दिखाई। चिकित्सक ने पर्ची पर लिख कर कर्मचारी को प्लास्टर करने का निर्देश दे दिया। अंदर बच्ची को लेकर कर्मचारी गया और दाहिने हाथ की जगह बाएं हाथ में प्लास्टर चढ़ा दिया। कुछ देर बाद साम्भवी को लेकर कर्मचारी बाहर आया। इसके बाद अल्पना बेटी को लेकर बाहर चली गई। कुछ देर बाद उनकी नजर पड़ी तो पता चला कि दाहिने हाथ की जगह बाएं हाथ में प्लास्टर चढ़ा दिया गया है। यह देख उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया और मेडिकल कालेज पहुंच चिकित्सक के साथ ही सीएमएस से भी शिकायत दर्ज कराई। मामला उजागर होते ही मेडिकल कालेज में खलबली मच गई। इसके बाद आनन–फानन में बाएं हाथ से प्लास्टर काटकर दाहिने हाथ में लगाया गया। बच्ची के हाथ में गलत प्लास्टर चढ़ाया गया था। इसकी शिकायत मिलने के बाद सुधार करा दिया गया है। पूरे प्रकरण की जांच के लिए कमेटी गठित की जा रही है। जांच कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए जो भी दोषी होगा बख्शा नहीं जाएगा।

फंदे से लटकते मिली युवक की लाश, सनसनी

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज के कोठीभार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरवा दिगम्बर में बुधवार सुबह उस समय सनसनी मच गई जब एक युवक का शव नहर पर बने रेगुलेटर से लटका मिला। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच–पड़ताल शुरू कर दी। बरवा दिगम्बर निवासी अनिल साहनी (30 वर्ष) पुत्र ढोढई साहनी का शव गांव के समीप गुजरने वाली नहर पर बने रेगुलेटर पर कपड़े के फंदे से लटका मिला। रेगुलटर की ओर टहलने निकले लोगों ने शव लटका देख इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कोठीभार थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की बात सामने आ रही है। लेकिन पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

राहुल गांधी ने ओमान में हुए हमले में मृत शिवानंद के भाई से की बात, दिया मदद का भरोसा

संवाददाता–देवरिया। सुरौली, वाचस्पति मिश्र। होर्मुज के पास ओमान में हुए हमले में देवरिया के सुरौली थाना क्षेत्र के सुरौली निवासी शिप फिटर शिवानंद चौरसिया की 10 जून को मौत हो गई थी। इस घटना पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को शिवानंद के भाई से मोबाइल के जरिये बातचीत कर ढांढस बंधाया और मदद का भरोसा दिया। उन्होंने 1.15 मिनट तक रामप्रवेश से बात की। इस दौरान कहा कि उनके परिवार के साथ कांग्रेस पार्टी खड़ी है। बुधवार की दोपहर बाद 1.50 मिनट पर कुशीनगर जिले के रहने वाले यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव प्रियेश पांडेय सुरौली पहुंचे और अपने मोबाइल से राहुल गांधी से शिवानंद के भाई रामप्रवेश से बात कराई। रामप्रवेश ने बताया कि राहुल गांधी ने घटना पर दुख प्रकट करते हुए परिवार के साथ खड़ा रहने का भरोसा दिलाया। उन्होंने सबसे पहले पूछा कि शव मिला की नहीं, इस पर रामप्रवेश ने बताया कि शव हमें मिल गया है। रामप्रवेश ने शिवानंद की पत्नी को नौकरी और परिवार को कम से कम एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दिलाने की बात कही तो राहुल गांधी ने कहा कि यूपी में मेरी सरकार नहीं है। इसलिए यह मांग वह पूरी नहीं कर पाएंगे। सरकार पर दबाव बनाने के लिए वह प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को पत्र लिखेंगे। ताकि आपकी मांगें पूरी हो सके। हर संभव मदद दिलाया जाएगा।

लेखपाल पर हमले के विरोध में धरने पर बैठे राजस्वकर्मी, हमलावर के गिरफ्तारी की मांग

संवाददाता–देवरिया। खुखुन्दू थाना क्षेत्र के मुसैला खुर्द गांव में 14 जून को भूमि विवाद के निस्तारण के दौरान लेखपाल पर हुए हमले के विरोध में बुधवार को लेखपाल संघ ने तहसीलदार कार्यालय के सामने धरना दिया। लेखपालों ने घटना के मुख्य आरोपी उदय प्रताप सिंह उर्फ पिंटू सिंह की तत्काल गिरफ्तारी और राजस्व कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित कराए जाने की मांग की। लेखपाल संघ तहसील सलेमपुर के अध्यक्ष लकमुद्दीन अंसारी ने कहा कि 14 जून को लेखपाल ओमप्रकाश कुशवाहा तहसीलदार के मौखिक निर्देश पर मुसैला खुर्द गांव में एक भूमि विवाद के निस्तारण के लिए पहुंचे थे। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया। इस दौरान भूमि क्रेता महिला के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया तथा जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया गया। घटना से मौके पर अफरा–तफरी मच गई थी। घटना की सूचना मिलते ही तहसीलदार अलका सिंह समेत अन्य राजस्व अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। बाद में लेखपालों ने दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर खुखुंदू थाने पर प्रदर्शन भी किया था। इसके बावजूद मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी न होने से राजस्व कर्मियों में नाराजगी बढ़ गई है। जिला मंत्री समीर सिद्धार्थ व मंत्री परशुराम मिश्र ने कहा कि आरोपी भू–माफिया प्रवृत्ति का है और उसकी गिरफ्तारी न होने से पीड़ित कर्मचारी तथा अन्य राजस्व कर्मियों की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। उन्होंने मांग की कि भूमि विवादों के निस्तारण के दौरान राजस्व टीम को पर्याप्त पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए।

संघ ने प्रशासन से मांग की है कि किसी भी विवादित भूमि के मामले में नायब तहसीलदार मजिस्ट्रेट के निर्देशन में राजस्व टीम के साथ पर्याप्त पुलिस बल भेजा जाए, ताकि कर्मचारी निर्भय होकर कार्य कर सकें। लेखपाल संघ ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। संघ ने कहा कि आंदोलन के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। जिला मंत्री समीर सिद्धार्थ, तहसील अध्यक्ष लकमुद्दीन अंसारी, मंत्री परशुराम मिश्र, अभिनव मिश्र, इंदु प्रकाश पाठक, अमरेश मौर्य, बृजेश पांडेय, ओमप्रकाश कुशवाहा, प्रमोद कुमार, मनोज कुमार, श्री प्रकाश यादव, अनुज वर्मा, अजय शुक्ल, कुलदीप चाहर, अभिनंदन भारती, संदीप यादव, अजय चौधरी, संदीप सिंह, राकेश प्रसाद, नितेश चतुर्वेदी आदि लेखपाल मौजूद रहे।

चढ़ावा में चोरी तो हुई है, उंगली ट्रस्ट ही नहीं सरकार की तरफ, अब खुलकर बोले बृजभूषण शरण सिंह

संवाददाता–गोण्डा। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा की चोरी को लेकर अब भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह भी खुलकर मैदान में आ गए हैं। चढ़ावा में चोरी का मामला जब सामने आया था तो बृजभूषण शरण सिंह ने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया था। कहा था कि कुछ बोलेंगे तो परेशानी में आ जाएंगे। अब बुधवार को बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि चंदा चोरी में सच्चाई है। बिना आग के धुंआ नहीं उठता है। चोरी का धुंआ उठा है तो इससे झटका लगा है। यह झटका विनय कटियार या बृजभूषण ने नहीं दिया है। जब चोरी का आरोप अयोध्या के राम भक्त लगा रहे हैं तो सरकार को गंभीरता से सुनना चाहिए। उंगली केवल ट्रस्ट की तरफ नहीं उठ रही है। यह उंगली प्रदेश की योगी और केंद्र की मोदी, दोनों सरकारों की तरफ उठ रही है। बृजभूषण ने हालांकि राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा को इस मामले में क्लीन चिट भी दी। नवाबगंज स्थित अपने आवास पर बृजभूषण शरण सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अयोध्या में ही मेरा छात्र जीवन बीता है। आंदोलन में सक्रिय रूप से शामिल रहा हूं। आडवाणी जी यहां आते थे तो उनकी गाड़ी तक चलाने का मुझे मौका मिला है। कारसेवकों पर गोली चलने से दो महीने पहले मुझे अरेस्ट कर लिया गया था। ढांचा गिराए जाने में पर 40 लोगों को आरोपी बनाया गया था, उनमें सबसे पहली गिरफ्तारी मेरी हुई थी। विनय कटियार उस समय राम मंदिर आंदोलन के हीरो की तरह थे। वह पिछड़े वर्ग के होने के कारण मंदिर आंदोलन के सभी नेताओं के चहेते थे।

बृजभूषण ने कहा कि आंदोलन से जुड़े राम भक्त संतोष दुबे के कई प्रश्न जायज हैं। राम मंदिर आंदोलन से जुड़े लोग अगर सवाल उठा रहे हैं तो सरकार को गंभीरता से लेना चाहिए। राम मंदिर चंदा चोरी मामले में कुछ न कुछ सच्चाई है। यह अब ट्रस्ट तक सीमित नहीं रह गया है। इसकी उंगली अब प्रदेश और केंद्र सरकार की तरफ उठ रही है। बहुत जल्द देश की जनता के सामने सच्चाई आ जाएगी।

कहा कि इस कांड से बहुत झटका लगा है लेकिन यह झटका विनय कटियार या बृजभूषण ने नहीं लगाया है। यह झटका ट्रस्ट के लोगों ने लगाया है। कहा कि पहले दिन मैंने कहा था कि बोलूंगा तो नुकसान में आ जाऊंगा। इस पर कुछ लोगों ने व्यंग भी कसा कि बृजभूषण डरपोक है। अब तो गेंद सरकार के पाले में है। अयोध्या में जो कुछ हुआ अच्छा नहीं हुआ। सवाल किया कि लोकसभा चुनाव में आखिर अयोध्या में बीजेपी क्यों हारी। इसकी विवेचना कभी होगी?

कहा कि कोई मेरे पास आए तो हम बताएं कि अयोध्या और अयोध्या के आसपास की सीटें क्यों हारे। अयोध्या को कैदखाना बनाकर रख दिया गया था। हर तरफ बैरिकेडिंग कर दी गई थी। संतों से गृहस्थों का मिलना जुलना तक बंद हो गया था। काफी विरोध के बाद कुछ बैरियर खुले हैं। रास्तों पर दीवारें बना दी गई थीं। आखिर क्यों यह सब किया गया था।

कहा कि जिस तरीके से दस्तावेज पेश किया जा रहा है उस तरीके से अयोध्या में और भी बहुत कुछ हुआ है। उन्होंने नृपेंद्र मिश्रा को क्लीन चिट देते हुए कहा कि अयोध्या में जो हुआ है बहुत अच्छा नहीं हुआ है। मैं नृपेंद्र मिश्रा को पूरी तरीके से निर्दोष मानता हूं। यह भी कहा कि मुझे उम्मीद है कि सरकार कठोर कार्रवाई करेगी और ठोस कदम उठाएगी।

समाज हित को लेकर भारत-नेपाल के दिग्गज शिक्षकों ने महराजगंज में किया मंथन

संवाददाता–महराजगंज। नवीन विषेन डॉ. काफले लुंबिनी बुद्धिस्ट यूनिवर्सिटी नेपाल और लाल बहादुर शास्त्री स्मारक पीजी कालेज आनंदनगर महराजगंज के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को लाल बहादुर शास्त्री पीजी कालेज आनंदनगर में शिक्षा,साहित्य, समाज और संस्कृति का वैश्विक विमर्श रू चुनौतियां अवसर एवं संभावनाएं विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इसमें दोनों देशों के दिग्गज शिक्षकों ने समाज, शिक्षा, साहित्य, संस्कृति के विकास पर गहन मंथन किया। मुख्य अतिथि डॉ. इंद्र कुमार काफले ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य चरित्र निर्माण है। चरित्र निर्माण तभी संभव है, जब शिक्षा, साहित्य, समाज और संस्कृति एक दूसरे के साथ समन्वित होकर कार्य करें। शिक्षा, साहित्य, समाज और संस्कृति मानव सभ्यता के चार ऐसे स्तंभ हैं, जिन पर विश्व की शांति, प्रगति और सतत विकास आधारित है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि हम ज्ञान को केवल सूचना तक सीमित न रखें, बल्कि उसे मानवीय संवेदनाओं और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ें।

आज विश्व एक वैश्विक गांव में परिवर्तित हो चुका है। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, डिजिटल तकनीक और ज्ञान साझा करने कर नई संभावनाओं को जन्म दिया है। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर के कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा ने कहा कि हम एआई के जमाने में जी रहे हैं। जब तक हम तकनीकी रूप से दक्ष नहीं होंगे, तब तक पूरी दुनिया में प्रगति की दौड़ में हम पीछे हो जाएंगे। हमें भविष्य की दिशा तय करने के लिए मानव केंद्रित शिक्षा को बढ़ावा देना होगा। एआई और तकनीक का प्रयोग मानव मूल्यों के साथ करना होगा। विशिष्ट वक्ता वाटर वूमेन शिप्रा पाठक ने कहा कि आज मानव सभ्यता के ऊपर पर्यावरण का संकट है। जब तक हमारा पर्यावरण अच्छा नहीं होगा, तब तक हम स्वस्थ नहीं होंगे। हम स्वस्थ नहीं होंगे तो समाज स्वस्थ नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अंधाधुंध पेड़ों की कटाई, नदी तालाब, ताल तलैया की घटती संख्या ने पर्यावरण को पूरी तरह से प्रदूषित और असंतुलित कर दिया है। पीजी कॉलेज के प्रबंधक डॉ. बलराम भट्ट ने कहा कि समाज व्यक्तियों का मात्र समूह नहीं, बल्कि साझा मूल्यों परंपराओं और संबंधों का जीवन तंत्र है। समाज निरंतर परिवर्तनशील है, इसलिए हमें वैश्वीकरण और तकनीकी विकास के युग में ध्यान देने की जरूरत है। संगोष्ठी के संयोजक कैंपस प्रमुख आचार्य दयानिधि ने साहित्य समाज शिक्षा और संस्कृति को एक दूसरे से जुड़ा हुआ मानते हुए कहा कि यह सभी मिलकर किसी देश का निर्माण करते हैं। प्राचार्य और संगोष्ठी के संयोजक डॉ. राम पांडेय ने अतिथियों का आभार जताया। रामजी सहाय पीजी कॉलेज रुद्रपुर देवरिया के प्राचार्य प्रो. बृजेश पांडेय ने संगोष्ठी में विषय प्रवर्तन किया। धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी के सहसंयोजक कालिंदी प्रकाशन समूह के निदेशक डॉ. अमित कुमार दुबे व शिवम ने किया, जबकि संचालन लुंबिनी बुद्धिस्ट विश्वविद्यालय के डॉ. राजेंद्र ने किया। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के विभिन्न तकनीकी सत्रों में कल 54 शोध पत्र भी प्रस्तुत किया गया।

केंद्र सरकार के 12 साल पूरे, विकसित भारत संकल्प सम्मेलन, विभागों ने लगाई प्रदर्शनी

संवाददाता–बहराइच। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'विकसित भारत संकल्प सम्मेलन' का आयोजन किया गया। कपूरथला परिसर स्थित उत्थान ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा कमलेश मिश्रा और सांसद डॉ. आनंद कुमार गोंड मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सम्मेलन का शुभारंभ अतिथियों द्वारा विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉलों के अवलोकन से हुआ। मुख्य अतिथि और सांसद ने केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से जुड़े स्टॉलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों से प्रगति व लाभार्थियों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान सूचना विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया, जिसमें सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों, विकास कार्यों और जनहितकारी योजनाओं को प्रदर्शित किया गया था। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, चिकित्सा विभाग और पंचायती राज विभाग की प्रदर्शनियों को भी देखा गया। मुख्य अतिथि कमलेश मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने बताया कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया गया है। विशिष्ट अतिथि सांसद डॉ. आनंद कुमार गोंड ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, महिला सशक्तिकरण और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। उन्होंने विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सभी नागरिकों से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। इस अवसर पर विधायक नानपारा राम निवास वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय, सदर विधायक अनुपमा जायसवाल के प्रतिनिधि अशोक जायसवाल, मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता, डीपीआरओ चन्द्रभान सिंह सहित अन्य अधिकारी, प्रबुद्धजन और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला मंत्री रणविजय सिंह ने किया और इसका समापन राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी के संकल्प के साथ हुआ।

भारत उदय

प्रेस विज्ञप्ति

भारत उदय द्वारा सोलर पावर प्लांट स्थापना हेतु ई–निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारत उदय द्वारा बीपीसीएल के सीएसआर सहयोग से जनपद बहराइच में चार स्थलों पर 15 किलोवाट सोलर पावर प्लांट स्थापना कार्य हेतु अनुभवी एवं योग्य फर्मो/ एजेंसियों से ई–मेल के माध्यम से तकनीकी एवं वित्तीय निविदाएं (Quotations/Bids) आमंत्रित की जाती हैं।

इच्छुक फर्म अपनी तकनीकी एवं वित्तीय निविदाएं पृथक–पृथक पीडीएफ फाइलों में सीलबंद लिफाफे के समकक्ष ई–मेल के माध्यम से निर्धारित तिथि तक भेज सकते हैं।

– निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः 24 जून 2026, सायं 5:00 बजे तक
– तकनीकी निविदा खोलने की तिथिः 26 जून 2026
– वित्तीय निविदा खोलने की तिथिः 27 जून 2026

परियोजना के अंतर्गत जनपद बहराइच के चार चयनित स्थलों पर 15 किलोवाट क्षमता के सोलर पावर प्लांट स्थापित किए जाएंगे।

विस्तृत निविदा दस्तावेज, तकनीकी विनिर्देश एवं आवेदन प्रारूप संस्था की वेबसाइट www.bharatudayindia.co.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

तकनीकी एवं वितीय निविदाएं निम्न ई–मेल पर भेजी जाएः

E-mail: bharatudaycsr@gmail.com

मोबाइल–919616241098

भारत उदय
बस्ती उत्तर प्रदेश

पंजीकृत कार्यालयः– ग्राम भैंसहिया, पोस्ट–दुधौरा जनपद–बस्ती (उ0प्र0) 272002
प्रशासनिक कार्यालय–: मोहल्ला पुराना डाकखाना (सिविल लाइन), पोस्ट–गांधीनगर, जनपद–बस्ती (उ0प्र0) 272001

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण के बीच 19 जून को अयोध्या आएंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता—अयोध्या। अयोध्या नगर निगम के तत्वाधान में निर्मित बहुप्रतीक्षित रामायण वैक्स म्यूजियम और अयोध्या धाम का नया जोनल कार्यालय बनकर पूरी तरह तैयार हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 19 जून को दोनों परियोजनाओं का लोकार्पण कर इन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री वैक्स म्यूजियम परिसर में आयोजित समारोह को भी संबोधित करेंगे। लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित वैक्स म्यूजियम अयोध्या आने वाले पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं का नया आकर्षण बनेगा। म्यूजियम में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, हनुमान जी, ऋषि वशिष्ठ, रावण, मेघनाथ और जटायु समेत रामायण के प्रमुख 25 से अधिक पात्रों की जीवंत मोम प्रतिमाएं लगाई गई हैं। लोकार्पण के बाद म्यूजियम पर्यटकों के लिए खोला जाएगा। टिकट और समय—सारिणी की घोषणा 19 जून को उद्घाटन के बाद की जाएगी। यहीं से मुख्यमंत्री मोहबरा बाजार में 10.19 करोड़ रुपये की लागत से बने नए जोनल कार्यालय का भी लोकार्पण करेंगे। इस नए कार्यालय के शुरू होने से अयोध्या धाम क्षेत्र के नागरिकों को नगर निगम से जुड़ी सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिलेंगी। कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी और नगर आयुक्त श्री जयेंद्र कुमार ने मुख्यमंत्री के संभावित दौरे से जुड़े सभी स्थलों का निरीक्षण किया। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडे ने बताया कि महापौर ने राम कथा पार्क के निकट स्थित हेलीपैड स्थल का जायजा लिया और घास की सफाई व खुले केबल को अंडरग्राउंड करने के निर्देश दिए। इसके बाद अधिकारियों ने ऋषिदेव जैन मंदिर और मनीरामदास की छावनी का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। महापौर ने दोनों भवनों को विशेष रूप से सजाने—संवारने के निर्देश दिए हैं।

नगर आयुक्त ने कार्यक्रम स्थलों पर पेयजल, सफाई, चूना—ब्लीचिंग का छिड़काव, एंटी लार्वा दवा के छिड़काव और फॉगिंग के व्यापक इंतजाम करने को कहा। डस्ट नियंत्रण के लिए पानी का छिड़काव भी कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री इस दौरे में अयोध्या की कई अन्य विकास परियोजनाओं का भी लोकार्पण करेंगे। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ, भारत भार्गव, मुख्य महाप्रबंधक जलकल सौरभ श्रीवास्तव, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राममणि शुक्ल, अधिशासी अभियंता दीपांकर सिंह एवं सहायक अभियंता राजपति यादव आदि मौजूद रहे।

किसान दिवस में गूंजी किसानों की समस्याएं, समाधान के निर्देश, डीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। जिले के किसानों की समस्याओं के समाधान एवं कृषि विभाग से संबंधित योजनाओं की समीक्षा के लिए बुधवार को लोहिया कला भवन में किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में किसानों ने बिजली आपूर्ति, सिंचाई, किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, बीज एवं कृषि दवाओं की उपलब्धता सहित विभिन्न समस्याएं प्रमुखता से उठाईं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह भी उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत उप कृषि निदेशक द्वारा पिछली किसान दिवस बैठक की कार्यवाही पढ़कर की गई। इस दौरान बताया गया कि पूर्व में प्राप्त अधिकांश शिकायतों का निस्तारण कराया जा चुका है। इसके बाद विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं और उनके शीघ्र समाधान की मांग की। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने किसानों से अपील की कि वे अपनी समस्याएं लिखित रूप में प्रस्तुत करें, ताकि उन्हें संबंधित विभागों को भेजकर समयबद्ध और प्रभावी ढंग से निस्तारित कराया जा सके। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को किसान दिवस में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने तथा किसानों की समस्याओं का शत—प्रतिशत समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में किसानों ने किसान सम्मान निधि की लंबित किस्तों, फार्मर रजिस्ट्री में आ रही तकनीकी दिक्कतों, बिजली बिलों से जुड़ी शिकायतों, गुणवत्तापूर्ण बीज एवं कृषि दवाओं की उपलब्धता तथा सिंचाई व्यवस्था से संबंधित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं अथवा अन्य कारणों से फसल क्षति झेलने वाले पात्र किसानों को योजना का लाभ समय पर मिलना चाहिए। उन्होंने बीमा दावों के निस्तारण में तेजी लाने तथा क्षतिपूर्ति की धनराशि जल्द किसानों के खातों में भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की किसान हितैषी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों का विभागवार पंजीकरण कर नियमित समीक्षा की जाए तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर निस्तारण कर इसकी जानकारी किसानों को भी उपलब्ध कराई जाए। बैठक में कृषि एवं संबद्ध विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की गई। अधिकारियों को गांव स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर किसानों को योजनाओं की जानकारी देने के निर्देश दिए गए। बैठक के अंत में उप कृषि निदेशक राजेश कुमार ने उपस्थित अधिकारियों, किसान संगठनों के प्रतिनिधियों एवं किसानों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी रवि शंकर पाण्डेय, एआर कोऑपरेटिव, सहायक निदेशक मत्स्य, अधिशासी अभियंता विद्युत नौगढ़ ज्ञान प्रकाश, किसान यूनियन के पदाधिकारी, बड़ी संख्या में किसान तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

छत पर सो रहे युवक की गला रेतकर हत्या

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। नेपाल सीमा से सटे मोहाना थाना क्षेत्र के दुल्हासुमाली ग्रामसभा के पिपरहवा गांव में मंगलवार रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। घर की छत पर सो रहे 19 वर्षीय युवक की अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी।

बुधवार सुबह खून से सना शव मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पिपरहवा गांव निवासी मुकेश (19) पुत्र रामदेव रोजी—रोटी के सिलसिले में मुंबई में रहता था। करीब दस दिन पहले ही वह घर लौटा था। स्वजन के अनुसार मंगलवार रात वह प्रतिदिन की तरह भोजन करने के बाद घर की छत पर सोने चला गया था। सुबह पड़ोसी जब अपने मकान की छत पर पहुंचे तो मुकेश को खून से लथपथ पड़ा देखा। यह दृश्य देखकर उन्होंने शोर मचाया। सूचना मिलते ही स्वजन छत पर पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

घटना की खबर फैलते ही गांव में बड़ी संख्या में लोग जुट गए। हत्या की सूचना पर मोहाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में युवक की हत्या धारदार हथियार से गला रेतकर किए जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि हत्या के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

नेपाल सीमा के निकट हुई इस वारदात ने क्षेत्र में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। पुलिस पारिवारिक, सामाजिक और अन्य सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। मोहाना थानाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने बताया कि युवक का शव उसके घर की छत पर खून से लथपथ अवस्था में मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। जल्द ही घटना का पर्दाफाश किया जाएगा।

किसान दिवस परडीएम ने सुनी किसानों की समस्याए

संवाददाता—संतकबीरनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इस बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी, किसान और किसान संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को किसानों की समस्याओं का त्वरित और प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप कृषि निदेशक डॉ. राकेश कुमार सिंह ने केंद्र सरकार की कृषि एवं किसान कल्याण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। वहीं, उद्योग विभाग के सहायक आयुक्त जितेंद्र गौतम ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के तहत किसानों को ट्रैक्टर और मिनी राइस प्लांट के लिए 5 लाख रुपये तक के ब्याज मुक्त ऋण की उपलब्धता के बारे में बताया। किसान दिवस में मशरूम उत्पादक पवन सिंह और कृषक यशवर्धन पांडेय ने क्रमशः मशरूम एवं मक्का उत्पादन की आधुनिक तकनीकों पर अपने अनुभव साझा किए। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. दुर्गेश ने धान की सीधी बुवाई और खरपतवार नियंत्रण की तकनीकें समझाईं।

शिक्षा विभाग में करोड़ों का घोटालाः सीबीआई की छापेमारी, कब्जे में लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज

संवाददाता—अयोध्या। यूपी में शिक्षा विभाग से जुड़े कथित करोड़ों रुपये के घोटाले की जांच के तहत केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को अयोध्या में छापेमारी की। कोतवाली नगर क्षेत्र की देवकाली पुलिस चौकी के निकट स्थित पवन कुमार मालवीय के आवास पर सुबह करीब 6.00 बजे पहुंची सीबीआई टीम ने लगभग तीन घंटे तक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और अभिलेख अपने कब्जे में लिए। साथ ही संबंधित लोगों से पूछताछ की। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई अमेठी जनपद के वित्त एवं लेखा विभाग तथा शिक्षा विभाग में हुए कथित करोड़ों रुपये के वित्तीय घोटाले की जांच के सिलसिले में की गई। बताया जा रहा है कि उच्च न्यायालय के आदेश पर मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी।

स्पेशल कोर्ट से जारी सर्च वारंट के आधार पर अयोध्या समेत अमेठी, लखनऊ, प्रतापगढ़ और कुशीनगर में भी एक साथ छापेमारी की गई। सीबीआई की डीआईजी शिवानी तिवारी के निर्देशन में हुई कार्रवाई के दौरान किसी गिरफ्तारी की सूचना नहीं मिली है।

आम तोड़ते समय पेड़ से गिरा युवक, मौत

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। खेसरहा थाना क्षेत्र के भलुहा गांव स्थित एक बगीचे में आम तोड़ते समय एक युवक पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान कठमोरवा निवासी जितेंद्र कुमार (25 वर्ष) पुत्र अमरेश के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, जितेंद्र कुमार आम तोड़ने के लिए पेड़ पर चढ़े थे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वे ऊंचाई से नीचे गिर पड़े। गिरने से उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों और पुलिस की मदद से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) खेसरहा पहुंचाया गया। सीएचसी खेसरहा में चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच में बताया कि घायल के नाक और कान से खून निकल रहा था। उनकी नाक की हड्डी टूट गई थी और दाहिने हाथ में भी गंभीर फ्रैक्चर की आशंका थी। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां पहुंचने पर जितेंद्र की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर परिजनों में चीख—पुकार मच गई। जितेंद्र कुमार, अमरेश के पुत्र थे। परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद पंचनामा भरकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

बिना मान्यता चल रहा स्कूल सील

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के नाथनगर विकास खंड क्षेत्र के पुतसर गांव में बिना मान्यता के संचालित हो रहे ए.डी.वी. इन्वेंशन एकेडमी को प्रशासन ने सील कर दिया है। यह कार्रवाई जिलाधिकारी और शिक्षा विभाग सहित आईजीआरएस पोर्टल पर मिली शिकायतों के बाद की गई। धनघटा के उपजिलाधिकारी (एसडीएम) रविकांत चौबे के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। विद्यालय लंबे समय से अवैध रूप से संचालित हो रहा था। शिकायतें मिलने के बाद शिक्षा विभाग और प्रशासन ने जांच शुरू की थी। विभाग द्वारा विद्यालय प्रबंधन को नोटिस जारी कर मान्यता संबंधी आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, विद्यालय प्रबंधन संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद, उपजिलाधिकारी धनघटा और खंड शिक्षा अधिकारी नाथनगर के संयुक्त नेतृत्व में एक प्रशासनिक टीम पुतसर गांव पहुंची। जांच के दौरान विद्यालय के पास संचालन के लिए कोई वैध मान्यता या दस्तावेज नहीं पाए गए। प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से विद्यालय को सील कर दिया। खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) अरुण कुमार सिंह ने बताया कि बिना मान्यता के विद्यालय संचालित करना शिक्षा विभाग के नियमों का गंभीर उल्लंघन है।

विकास प्रदर्शनी का शुभारंभः विधायक श्यामधनी ने जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर बुधवार को लोहिया कला भवन में विकास प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. और मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने किया। प्रदर्शनी का उद्देश्य केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना तथा पात्र लाभार्थियों को इन योजनाओं से जोड़ना है। उद्घाटन के बाद जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस दौरान स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, कृषि, समाज कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण और ग्रामीण विकास सहित कई विभागों ने अपनी योजनाओं और उपलब्धियों का प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने विभागीय कर्मचारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाया जाए।

प्रदर्शनी में आगंतुकों को विभिन्न योजनाओं से संबंधित पुस्तिकाएं, प्रचार सामग्री और जानकारी उपलब्ध कराई गई। लोगों ने विभागीय अधिकारियों से सीधे संवाद कर योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और लाभों की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम के दौरान सामाजिक सरोकारों से जुड़े कई आयोजन भी हुए। टीबी रोगियों को पोषण पोटली वितरित की गई, जबकि गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कर उन्हें मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही नवजात बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी आयोजित किया गया, जिसके माध्यम से कुपोषण मुक्त समाज और स्वस्थ बचपन का संदेश दिया गया। विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लाभार्थियों के चयन और पंजीकरण की प्रक्रिया पारदर्शी एवं सरल बनाई जाए ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं से वंचित न रह जाए। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने भी विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया। इस दौरान कार्यक्रम में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी बी. एस. यादव, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नीरज अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, लाभार्थी और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

चिंता को न समझें सामान्य परेशानी, समय पर पहचान और इलाज है जरूरी —डॉ. प्रीति त्रिपाठी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। बदलती जीवनशैली, बढ़ते तनाव और प्रतिस्पर्धा के दौर में चिंता (एंग्जायटी) से जुड़ी मानसिक समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि चिंता यदि लंबे समय तक बनी रहे और व्यक्ति के दैनिक जीवन को प्रभावित करने लगे तो इसे सामान्य तनाव समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय रहते पहचान और उचित उपचार से मरीज पूरी तरह सामान्य जीवन जी सकता है। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. प्रीति त्रिपाठी ने बताया कि लगभग 20 से 34 प्रतिशत लोगों को जीवन में किसी न किसी समय चिंता संबंधी मानसिक विकारों का सामना करना पड़ता है। अधिकांश लोग इसके लक्षणों को समझ नहीं पाते, जिसके कारण बीमारी बढ़ती चली जाती है।

उन्होंने बताया कि चिंता संबंधी विकार कई प्रकार के होते हैं। पैनिक डिसऑर्डर में व्यक्ति को अचानक तेज घबराहट, सांस फूलने, दिल का दौरा पड़ने या मृत्यु होने जैसा एहसास होता है। यह स्थिति कुछ मिनटों तक रहती है, लेकिन इसके दोबारा होने का भय लंबे समय तक बना रहता है।

वहीं सोशल एंग्जायटी डिसऑर्डर से पीड़ित व्यक्ति लोगों के बीच जाने, नए लोगों से मिलने या सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखने में असहज महसूस करता है। उसे हमेशा यह डर बना रहता है कि लोग उसके बारे में क्या सोचेंगे या कहीं वह कोई गलती न कर बैठे।

जनरलाइज्ड एंग्जायटी डिसऑर्डर (जीएडी) में व्यक्ति छोटी—छोटी बातों को लेकर भी अत्यधिक चिंता करता रहता है। परिवार, स्वास्थ्य, भविष्य और रोजमर्रा की परिस्थितियों को लेकर उसके मन में लगातार आशंकाएं बनी रहती हैं।

डॉ. त्रिपाठी के अनुसार ऑब्सेसिव कम्पल्सिव डिसऑर्डर (ओसीडी) में बार—बार अनचाहे विचार मन में आते हैं, जिन्हें व्यक्ति गलत और बेकार मानता है, लेकिन चाहकर भी रोक नहीं पाता। कई मरीज बार—बार हाथ धोते हैं, सफाई करते हैं या किसी बात की जांच करते रहते हैं।

इसके अलावा फोबिया भी चिंता का एक प्रमुख रूप है, जिसमें किसी विशेष वस्तु, स्थान या परिस्थिति से असामान्य और अत्यधिक डर लगता है। ऊंचाई, भीड़, अंधेरा, बंद कमरा, जानवर, इंजेक्शन या खून देखने से घबराहट इसके सामान्य उदाहरण हैं।

ये लक्षण दिखें तो रहें सतर्क

लगातार घबराहट और बेचैनी बने रहना, सांस लेने में कठिनाई या गले में रुकावट महसूस होना, हार्ट अटैक या मृत्यु का डर सताना, खुद को दूसरों से कमतर समझना, हर समय किसी अनहोनी की आशंका बने रहना, बार—बार सफाई या जांच करते रहना, अनचाहे और परेशान करने वाले विचारों का बार—बार आना, किसी विशेष चीज या परिस्थिति से अत्यधिक डर लगना

इलाज से संभव है बेहतर जीवन

डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि चिंता संबंधी कुछ रोगों में दवाओं की आवश्यकता पड़ सकती है, लेकिन बड़ी संख्या में मरीज काउंसलिंग और साइकोथेरेपी से ही लाभ प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को छिपाने के बजाय विशेषज्ञ से सलाह लेना चाहिए। समय पर उपचार न केवल बीमारी को बढ़ने से रोकता है, बल्कि व्यक्ति के आत्मविश्वास और जीवन की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है।

दो युवतियां और एक किशोरी रहस्यमय ढंग से गायब

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। अलग—अलग क्षेत्रों से दो युवतियां और एक किशोरी लापता हो गई। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। साथ ही इन सभी की तलाश जारी है। जैतपुर थाना के एक व्यक्ति के अनुसार, उनकी 17 वर्षीय पुत्री घर पर अकेली रहती थी। आरोप है कि 13 जून को गांव निवासी मुन्ना गौतम ने किशोरी को फोन करके गांव के बाहर बुलाया। इसके बाद अपने साथ लेकर चला गया। इस घटना में प्रेम देवी, मोना देवी और राजकमल ने भी सहयोग किया। जलालपुर थाना क्षेत्र की एक महिला के अनुसार, रिश्तेदार की 20 वर्षीय पुत्री उनके घर आई थी। सोमवार को वह बिना किसी को बताए कहीं चली गई। हर—संभव स्थान पर तलाश के बाद भी युवती का कुछ पता नहीं चल सका। राजे सुल्तानपुर थाना क्षेत्र की एक महिला ने बताया कि उनकी 23 वर्षीय पुत्री छह जून की रात करीब 8.00 बजे घर से कहीं चली गई। घटना के समय वह घर पर नहीं थीं। घर लौटने पर पुत्री नहीं मिली। परिजनों और रिश्तेदारों के यहां तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चल सका।

आरोप है कि गांव निवासी रणधीर उर्फ गुंडे ही उनकी पुत्री को बहला—फुसलाकर अपने साथ ले गया है। युवती की शादी 22 जून को तय थी और वह घर से पांच थान जेवर व 50 हजार रुपये नकद भी लेकर गई है। तीनों मामलों में संबंधित पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है।

किसानों ने उठाई मिलेट्स प्रसंस्करण इकाई व खरीद केंद्र की मांग

संवाददाता—गोरखपुर। किसान दिवस में किसानों एवं किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) ने मिलेट्स प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने और गेहूं—धान खरीद केंद्र खोलने की मांग उठाई। अधिकारियों ने इन समस्याओं पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए विभागीय योजनाओं के माध्यम से समाधान उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

बुधवार को विकास भवन सभागार में किसान दिवस में किसानों और एफपीओ प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याओं को प्रमुखता से रखा। ब्रह्मकृषि एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के निदेशक महेंद्र यादव ने क्षेत्र में मिलेट्स (मोटे अनाज) उत्पादन बढ़ने का हवाला देते हुए मिलेट्स प्रसंस्करण इकाई स्थापित कराने की मांग की। उनका कहना था कि प्रसंस्करण सुविधा उपलब्ध होने से किसानों को उत्पाद का बेहतर मूल्य मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। इस पर उप कृषि निदेशक धनंजय सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, वितरण केंद्र, मोबाइल आउटलेट और मिलेट्स स्टोर स्थापना संबंधी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इच्छुक एफपीओ निर्धारित अवधि में ऑनलाइन आवेदन कर इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

बैठक में दुबौली मां एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के निदेशक गुड्डू सिंह ने किसानों की सुविधा के लिए क्षेत्र में गेहूं एवं धान खरीद केंद्र स्थापित करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि खरीद केंद्र दूर होने के कारण किसानों को फसल बेचने में परेशानी होती है। अतिरिक्त परिवहन लागत उठानी पड़ती है। अधिकारियों ने इस मांग को गंभीरता से लेते हुए विपणन विभाग के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। साथ ही एफपीओ को संगठित रूप से किसानों की उपज का विपणन करने और सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर अपनी विपणन क्षमता बढ़ाने की सलाह दी गई। बैठक में किसानों ने बेहतर बीज उपलब्धता, बाजार संपर्क और कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन से जुड़े मुद्दे भी उठाए। अधिकारियों ने बताया कि विभाग द्वारा मिलेट्स, तिलहन एवं अन्य फसलों के मिनीकिट उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

किसान उत्पादक संगठनों को गुणवत्ता युक्त बीज उत्पादन और विपणन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। किसान दिवस की अध्यक्षता उप कृषि निदेशक धनंजय सिंह ने की। उन्होंने मूल्य संवर्धन और बाजारोन्मुख खेती पर जोर दिया। बैठक में जिला कृषि अधिकारी राममंगल चौधरी, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र की गृह वैज्ञानिक डॉ. श्वेता सिंह, जिला उद्यान अधिकारी पारस नाथ, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. नवीन कुमार वर्मा, सहायक निदेशक रेशम समर बहादुर सिंह, मत्स्य तथा अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

विहिप नगर अध्यक्ष पर हमले का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता—गोरखपुर। विहिप नगर अध्यक्ष एवं स्वर्ण व्यवसायी अमित वर्मा पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश शर्मा ने बताया कि तीन जून की रात पुरानी रंजिश में अमित वर्मा पर हमला हुआ था। पीड़ित की तहरीर पर रंजीत जायसवाल उर्फ छब्लू, ऋतिक जायसवाल, कुनाल जायसवाल समेत अन्य अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। बुधवार को पुलिस टीम ने रंजीत जायसवाल उर्फ छब्लू को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे हाईस्कूल के अंक प्रमाण पत्र में मेरा नाम हरि नारायण मिश्र पुत्र श्री राम कुबेर मिश्र दर्ज है जबकि मेरे आधारकार्ड, पैनकार्ड व अन्य सभी अभिलेख में नाम हरि नारायण पुत्र श्री राम कुबेर है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए।
हरि नारायण पुत्र श्री राम कुबेर ग्राम—सोनवलिया, पो०—तेलौरा, तहसील—बाँसी जिला—सिद्धार्थनगर।

आवश्यक सूचना

कृषि उत्पादन मण्डी समिति, बस्ती के क्षेत्रान्तर्गत समस्त लाईसेंसधारी थोक व्यापारी एवं आढती, मिल, फुटकर व्यापारी आटा चक्की, स्पेलर, औटनी, किराना, पल्लेदार, तौलक, काटा संचालक, गोदाम संचालक, कोल्ड स्टोरेज आदि को सूचित किया जाता है कि कृषि वर्ष 2025—26 हेतु जारी /नवीनीकृत आनलाईन लाईसेसों की बैधता दिनांक 30.06.2026 को समाप्त हो रहा है।

अतः समस्त व्यापारी बन्धु मण्डी समिति, बस्ती के समस्त बकाया देयको यथा—मण्डी शुल्क, विकास सेस, ब्याज, किराया प्रीमियम, यूजरचार्ज अनावृत चेक (यदि हो) आदि का शतप्रतिशत भुगतान कर कारोबार संबंधी दैनिक विवरणी कार्यालय में जमा कर 25 जून 2026 के पूर्व कृषि वर्ष 2026—27 हेतु लाईसेंस शुल्क के साथ आनलाईन लाईसेंस नवीनीकरण हेतु आवेदन पत्र जमा कर दें, बिना आनलाईन लाईसेंस नवीनीकरण कराये 30 जून 2026 के बाद कारोबार करना अबैधानिक होगा। समयान्तर्गत लाईसेंस का नवीनीरकण न कराने वाले व्यापारियों को उक्त अवधि के बाद शमन शुल्क के साथ लाईसेसो का नवीनीकृत कराना होगा।

(राम कुमार)
सचिव

(प्रतिपाल सिंह चौहान)
सभापति /अपर जिलाधिकारी (वि0 /रा0)

कार्यालय
कृषि उत्पादन मण्डी समिति बस्ती
नवीन मण्डी स्थल बाईपास एन०एच० 28 अमौली बस्ती।

पत्रांक—कृ०उ०म०स०ब० /सं०—464 दिनांक—16—06—2026

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com